This question paper contains 8 printed pages]

5/12/17

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1305**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

H

Unique Paper Code : **213101**

Name of the Paper : **Proficiency in Sanskrit Language-I**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित **दो** तालिकागत रिक्तस्थानों को शब्दरूपों द्वारा पूरा कीजिए : 2×5=10

Complete any *two* of the following tables :

(क)

नरः		नराः
	नरौ	
नरेण		नरैः
	नराभ्याम्	
नरात्		नरेभ्यः
	नरयोः	
नरे		नरेषु

(ख)

नदी	नद्यौ	
		नदीः
नद्या	नदीभ्याम्	
नद्यै		नदीभ्यः
	नदीभ्याम्	
नद्याः	नद्योः	
नद्याम्		नदीषु
हे नदि		हे नद्यः

(ग)

लता	लते	लताः
लतया	लताभ्याम्	
लतायै		लताभ्यः
लतायाः	लतयोः	
लतायाम्		लतासु

(घ)

	फले	फलानि
		फलानि
फलेन	फलाभ्याम्	
		फलेभ्यः
फलात्	फलाभ्याम्	
	फलयोः	
फले		फलेषु

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के धातु रूप लिखिए : 3×3=9

Write any *three* of the following conjugations :

(क) पठ् धातु लोट् लकार प्रथम पुरुष

(ख) पच् धातु लट् लकार प्रथम पुरुष

(ग) कृ धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष

(घ) भू धातु लङ् लकार मध्यम पुरुष

(ङ) अस् धातु लट् लकार मध्यम पुरुष

(च) चुर् धातु विधिलिङ् लकार प्रथम पुरुष।

3. कोष्ठक में से सही अव्यय चुनकर कोई **चार** वाक्य पूरे कीजिए : 4

Choose the appropriate avyaya from the bracket and complete any *four* of the following :

(क) सीता ..... आगच्छति। (अत्र/कुत्र)

(ख) ईश्वरः ..... अस्ति। (सर्वत्र/पुरा)

(ग) रामं ..... सीता दुःखिता अभवत्। (विना/मा)

(घ) मोहनः जनकेन ..... आपणं गच्छति। (अपि/सह)

(ङ) ..... कोलाहलेन। (अलम्/मा)

4. रेखांकित शब्दों में से किन्हीं **चार** में प्रत्यय बताइये : 4

Mention the Suffixes in any *four* of the following :

(क) त्वया भोजनं खादनीयम्।

(ख) दर्शकः चलचित्रं पश्यति।

(ग) कार्यं कृत्वा सः गृहं गमिष्यति।

(घ) रामेण दुग्धं पीतम्।

(ङ) अलसस्य गतिः क्वापि नास्ति।

(च) शीते आतपं सेवमानः सुखी भवेत्।

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** में प्रत्यय बताइये : 2

Mention the Suffixes in any *four* of the following :

(1) महत्तम्

(2) गुणिन्

(3) कौन्तेय

(4) गुरुता

(5) शक्तिमत्।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** में प्रकृति व प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइये : 2×2=4

Join the Suffixes in any *two* of the following :

(1) बुद्धि+मतुप्

(2) रघु+अण्

(3) मधुर+ष्यञ्

(4) बल+इनि

(5) पच्+ण्वुल्।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रत्याहारों में आने वाले वर्ण लिखिये : 6

Mention the alphabets included in any *three* Pratyaharas of the following :

अक्, जश्, एच्, झल्, जम्।

7. निम्नलिखित में से **तीन** वर्णों के उच्चारण स्थान बताइये : 3

Indicate the organ of speech of any *three* alphabets :

ह, ऋ, ल्, क्, व्, प्।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की परिभाषा लिखिए : 2×1.5=3

Write the definitions of any *two* of the following :

लोप, दीर्घ, संहिता, पद, गुण।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि कीजिये : 5×1=5

Join Sandhi in any *five* of the following :

विद्या+अर्थी, श्री+ईशः, इति+आदि, मधु+अरिः, रामस्+चिनोति, शिवत्+छाया, विष्णुः+त्राता, हरिम्+वन्दे, गंगा+ओघः।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि विच्छेद कीजिये : 5×1=5

Split sandhi in any *five* of the following :

वागीशः, सन्मार्गः, रामश्शेते, गंगोदकम्, नायकः, हरेऽव, हरीरम्यः, शिवोवन्द्यः।

11. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर **संस्कृत** में लिखिये :

Answer in **Sanskrit** questions given at the end of the following paragraph :

तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिः एक समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

(क) महाकन्दरः कुत्र आसीत् ? 1

(ख) शिखरादवतरन् स काभ्याम् अदर्शि ? 2

(ग) समाधौ कः तिष्ठति स्म ? 1

(घ) सः समाधौ कुत्र तिष्ठति स्म ? 2

(ङ) योगिराजः कुतः अवतरति ? 2

(च) समाधौ इत्यत्र का विभक्तिः ? 1

(छ) वेत्ति इत्यत्र कः लकारः ? 1

12. कोष्ठक में से उचित पद लेकर वाक्य पूरे कीजिए : 10×1=10

Complete the following sentences with appropriate words from the brackets :

(क) (*i*) ..... भारतस्य नागरिकाः। (वयम्/आवाम्)

(*ii*) वृक्षात् पत्राणि ..... । (पतन्ति/पतति)

(*iii*) रामायणं ..... काव्यम्। (सुन्दरम्/सुन्दरः)

(*iv*) मम ..... कविः कालिदासः। (प्रियः/प्रियम्)

(*v*) बालकाः ..... क्रीडन्ति। (उपवनस्य/उपवने)

(ख) (*i*) गगने ..... उत्पतन्ति। (खगः/खगाः)

(*ii*) अहम् ..... गच्छामि। (गृहम्/गृहस्थ)

(*iii*) वानराः ..... । (कूर्दन्ति/कूर्दति)

(*iv*) जनकः ..... धनं ददाति। (पुत्रम्/पुत्राय)

(*v*) लतासु ..... विकसन्ति। (पुष्पाणि/पुष्पम्)

(14) 4/12/17

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY H Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : 1310

Unique Paper Code : 213501

Name of the Paper : Vaidika Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक-एक** मंत्र की व्याख्या कीजिए : 2×8=16

Explain any *one* Mantra from each Section :

खण्ड 'क'

(Section A)

(अ) अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्। होतारं रत्नधातमम्।

(आ) इन्द्रो मदाय वावृधे शवसे वृत्रहा नृभिः।

तमिन्महत्स्वाजिषूतेमर्भे हवामहे स वाजेषु प्रनोऽविषत्॥

खण्ड 'ख'

(Section B)

(अ) न मा मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत मह्यमासीत्।

अक्षस्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायामरोधम्॥

(आ) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।

यदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानां तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

2. निम्नलिखित मंत्रों में से किसी **एक** मंत्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : 7

Explain any *one* mantra of the following mantras in Sanskrit :

उषो वाजेन वाजिनि प्रचेताः स्तोमं जुषस्व गृणतो मघोनि।

पुराणी देवि युवतिः पुरन्धिरनु व्रतं चरसि विश्ववारे॥

अथवा/*Or*

अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहु मन्यमानः।

तत्र गावः कितव तत्र जाया तन्मे वि चष्टे सवितायमर्यः॥

3. शिवसंकल्प सूक्त की दार्शनिक व्याख्या कीजिए। 10

Describe the philosophy of Shivsankalpa Sukta.

अथवा/*Or*

पृथ्वी सूक्त का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Describe the importance of Prithvi Sukta.

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 5×2=10

(क) क्त्वार्थक प्रत्यय

(ख) वैदिक स्वरित

(ग) तुमर्थक प्रत्यय।

5. प्रश्न संख्या **1** में से किसी **एक** मंत्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। 6

Render into Padapatha any *one* of the Mantras of Question No. **1.**

6. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड में से **एक** मंत्र लेकर कुल दो मंत्रों की व्याख्या कीजिए : 2×8=16

Explain any *one* Mantra from each Section :

खण्ड 'क'

(Section A)

(अ) श्वोभावा मर्त्यस्य यदन्तकैतत्

सर्वेन्द्रियाणां जरयन्ति तेजः।

अपि सर्वं जीवितमल्पमेव

तवैव वाहास्तव नृत्यगीते॥

(आ) न जायते म्रियते वा विपश्चि-

न्नायं कुतश्चिन्नायं बभूव कश्चित्।

अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो

न हन्यते हन्यमाने शरीरे॥

खण्ड 'ख'

(Section B)

(अ) पराचः कामाननुयन्ति बालास्ते मृत्योर्यन्ति विततस्य पाशम्।

अथ धीरा अमृतत्वं विदित्वा ध्रुवमध्रुवेष्विह न प्रार्थयन्ते॥

(आ) सूर्यो यथा सर्वलोकस्य चक्षुर्न लिप्यते चाक्षुषैर्बाह्यदोषैः।

एकस्तथा सर्वभूतान्तरात्मा न लिप्यते लोकदुःखेन बाह्यः॥

7. कठोपनिषद् के आधार पर आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 10

Describe the Atmaswarupa as depicted in Kathopanisad.

अथवा/*Or*

कठोपनिषद् के आधार पर श्रेयस् और प्रेयस् की व्याख्या कीजिए।

Explain Shreyas and Preyas according to the Kathopanisad.

This question paper contains 7 printed pages]

(15) 8/12/17

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **1306**

Unique Paper Code : **213102** **H**

Name of the Paper : **Paper II (Sanskrit Literature–I)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

भाग 'क'

(Part A)

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 2×5=10

Translate the following :

(क) अथ तैःकदाचिन्मित्रैर्मन्त्रितं को गुणो विद्यायाः येन देशान्तरं गत्वा भूपतीन् परितोष्यार्थोपार्जना न क्रियते। तत्पूर्वदेशं गच्छमः। तथानुष्ठिते किंचिन्मार्गं गत्वा तेषां ज्येष्ठतरः प्राह- 'अहो! अस्माकमेकश्चतुर्थो मूढः केवलं बुद्धिमान्। न च राजप्रतिग्रहो बुद्धया लभ्यते, विद्यां विना। तन्नास्मै स्वोपार्जितं दास्यामि।

अथवा/*Or*

वरं बुद्धिर्न सा विद्या विद्यया बुद्धिरुत्तमा।
बुद्धिहीना विनश्यन्ति यथा ते सिंहकारकाः॥

(ख) कस्मिंश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्राह्मणाः परस्परं मित्रत्वमापन्ना वसन्ति स्म। बालभावे तेषां मतिरजायत-भोः! देशान्तरं गत्वा विद्याया उपार्जनं क्रियते। अथान्यस्मिन्दिवसे ते ब्राह्मणाः परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्यकुब्जे गताः। तत्र च विद्यामठे पठन्ति। द्वादशाब्दानि यावदेकचित्तया पठित्वा विद्याकुशलास्ते सर्वे संजाताः।

अथवा/*Or*

यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा मित्रोक्तं न करोति यः।
स एव निधनं याति यथा मन्थरकौलिकः॥

2. अपरीक्षितकारक में पठित "क्षपणककथा" का सारांश लिखिए। 8

Write a summary of "क्षपणककथा" of अपरीक्षितकारक.

अथवा/*Or*

अपरीक्षितकारक की "मत्स्यमण्डूककथा" में प्रतिबिम्बत नैतिक शिक्षा का वर्णन कीजिए।

Write the moral teachings reflected in the "मत्स्यमण्डूककथा" of अपरीक्षितकारक.

भाग 'ख'

(Part B)

3. किन्हीं **दो** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×6=12

Explain with reference to the context any *two* of the following :

(*i*) सर्वर्तुकुसुमैः रम्यैः फलवद्भिश्च पादपैः।
पुष्पितानामशोकानां श्रिया सूर्योदयप्रभाम्॥

(*ii*) सेयं कनकवर्णांगी नित्यं सुस्मितभाषिणी।

सहते यातनामेतामसमर्थानामभागिनी॥

(*iii*) ततः कुमदखण्डाभो निर्मलं निर्मलोदयः।

प्रजगाम नभश्चन्द्रो हंसो नीलमिवोदकम्॥

भाग 'ग'

(Part C)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए : 2×6=12

Explain any *two* of the following :

(*i*) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडय-

न्निबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्

न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(*ii*) जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं

मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।

चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं

सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्॥

(*iii*) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः

प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।

विघ्नैः पुनःपुनरपि प्रतिहन्यमानाः

प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति॥

5. **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : 6

Explain in **Sanskrit** :

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।

स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्॥

अथवा/*Or*

सुन्दरकाण्ड के आधार पर अशोक वाटिका का वर्णन संस्कृत में कीजिए।

Describe the अशोक वाटिका in Sanskrit according to Sunderkanda.

भाग 'घ'

(Part D)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या कीजिए : 2×6=12

Explain any *two* of the following :

(*i*) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवासी-
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः॥

(*ii*) यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम्।
अथायं विभ्रमो वा स्याद् विभ्रमो ह्यस्तु मे चिरम्॥

(*iii*) कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते॥

7. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के अनुसार 'वासवदत्ता' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

Sketch the character of 'वासवदत्ता' according to Svapnavasavadattam.

अथवा/*Or*

"स्वप्नवासवदत्तम्" के आधार पर षष्ठ अंक के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Highlight the importance of sixth act according to "स्वप्नवासवदत्तम्".

8. प्रश्न संख्या 1, 3, 4 में रेखांकित किन्हीं **पाँच** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 5

Write grammatical notes on any *five* of the underlined words in Question Nos. 1, 3, 4.

fan Posting (16)

This question paper contains 7 printed pages]

4/12/17

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **2621**

Unique Paper Code : **12131101** **HC**

Name of the Paper : **Classical Sanskrit Literature (Poetry) C–1**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit—CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Attempt *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (*a*) Translate the following : 4

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः॥

अथवा/*Or*

प्रजानां विनयाधानाद्रक्षणाद्भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः॥

(*b*) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा॥

अथवा/*Or*

भीमकान्तैर्नृपगुणैः स बभूवोपजीविनाम्।
अधृष्यश्चाभिगम्यश्च यादोरत्नैरिवार्णवः॥

2. (*a*) Translate the following : 4

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

निशम्य चैनां तपसे कृतोद्यमां सुतां गिरीशप्रतिसक्तमानसाम्।
उवाच मेना परिरभ्य वक्षसा निवारयन्ती महतो मुनिव्रतात्॥

अथवा/*Or*

यदा फलं पूर्वतपः समाधिना न तावता लभ्यममंस्त काङ्क्षितम्।
तदानपेक्ष्य स्वशरीरमार्दवं तपो महत्सा चरितुं प्रचक्रमे॥

(*b*) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत्॥

अथवा/*Or*

स्वयं विशीर्णद्रुमपर्णवृत्तिता परा हि काष्ठा तपसस्तया पुनः।
तदप्यपाकीर्णमतः प्रियंवदां वदन्त्यपर्णेति च तां पुराविदः॥

3. (*a*) Translate the following : 4

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

विशंकमानो भवतः पराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः।
दुरोदरच्छद्मजितां समीहते नयेन जेतुं जागती सुयोधनः॥

अथवा/*Or*

महौजसो मानधना धनार्चिता धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्तयः।
नसंहतास्तस्य नभिन्नवृत्तयः प्रियाणि वाञ्छन्त्यसुभिः समीहितुम्॥

(*b*) Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते
स किं प्रभुः।
सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥

अथवा/*Or*

न तेन सज्यं क्वचिदुद्यतं धनुः कृतं न वा
कोपविजिह्ममाननम्।
गुणानुरागेण शिरोभिरुह्यते नराधिपैर्माल्यमिवास्य शासनम्॥

4. Explain the following : 6

निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतः सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्॥

अथवा/*Or*

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्जवला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

5. प्रश्न संख्या 1, 2, 3 और 4 के किन्हीं **चार** रेखाङ्कित शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए।

Write grammatical notes on any *four* of the underlined words in question nos. 1, 2, 3 and 4. 4×2=8

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Answer any *two* of the following questions : 10×2=20

(*i*). 'उपमा कालिदासस्य' की समीक्षा कीजिए।

Comment on 'उपमा कालिदासस्य'.

(*ii*) रघुवंश के प्रथम सर्ग के आधार पर रघुवंशी राजाओं के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe traits of the kings of Raghuvansh according to the 1st canto of Raghuvansh.

(*iii*) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति अपने शब्दों में लिखिए।

Write the statement of Vanechara in your own words according to the 1st canto of Kiratarjuniyam.

(*iv*) कुमारसंभव के पंचम सर्ग के अनुसार पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe the virtues of Parvati according to the 5th Canto of Kumarsambhavam.

(*v*) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' पर टिप्पणी लिखिए।

Write a note on 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

7. संस्कृत साहित्य में महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए।

Discuss the origin and development of Mahakavya in Sanskrit Literature. 11

अथवा/*Or*

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) बिल्हण

Bilhana

(*ii*) मेघदूतम्

Meghadootam

(*iii*) जयदेव

Jayadeva

(*iv*) नीतिशतकम्

Nitishatakam

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2622 **HC**

Unique Paper Code : 12131102

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit Literature (C-2)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit, CBCS**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

भाग – 'क' (Section A)

1. ऋग्वेद के काल का वर्णन कीजिए। (14)

Describe the date of *Rigveda.*

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on **any two** of the following :

(i) सामवेद *(Sāmaveda)*

(ii) वैदिककालीन समाज (Society of the Vedic Period)

(iii) ब्राह्मण ग्रन्थ (Bhrāhamṇa texts)

(iv) उपनिषद् *(Upanishad)*

भाग – 'ख' (Section B)

2. आदिकाव्य के रूप में रामायण का विवेचन कीजिए। (14)

Discuss *Rāmayaṇa* as an *Ādikāvya.*

अथवा / OR

उपजीव्य काव्य के रूप में रामायण का विवेचन कीजिए।

Discuss *Rāmayaṇa as* a resource of literature.

भाग – 'ग' (Section C)

3. महाभारत के विकास की विभिन्न अवस्थाओं का निरूपण कीजिए। (14)

Discuss the different stages of the development of *Mahābhārata.*

अथवा / OR

"यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्" इस उक्ति को स्पष्ट करते हुए महाभारत की विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए।

Explaining this statement : "यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्" discuss the subject matter *of Mahābhārata.*

भाग – 'घ' (Section D)

4. पुराणों के सामाजिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व का वर्णन कीजिए। (12)

Describe the social and cultural importance of *Purāṇas.*

अथवा / OR

पुराणों के प्रमुख लक्षणों तथा ऐतिहासिक महत्त्व का विवेचन कीजिए।

Discuss the main features and the historical importance of *Purāṇas.*

भाग – 'ङ' (Section E)

5. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए जिनमें से **एक** टिप्पणी **संस्कृत** में हो : (7×3=21)

Write short notes on the followings which **One** should be in **Sanskrit:**

(i) पाणिनि *(Pāṇini)* **अथवा / OR** वाक्यपदीय *(Vākyapadīya)*

(ii) चार्वाक-दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (Main principles of *Cārvāka* philosophy)

अथवा / OR

सांख्य-दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त (Main principles of *Sāmkhya* philosophy)

(iii) ध्वनि-सम्प्रदाय (*Dhvani* School) **अथवा / OR** रस-सम्प्रदाय (*Rasa* School)